Hudahud

तुम्हारी समझ

(क) हुदहुद को कहीं 'हजामिन' चिड़िया और कहीं 'पदुबया' के नाम से पुकारते हैं| क्यों?

उत्तर- हुदहुद को कहीं कहीं 'हजामिन' चिड़िया के नाम से पुकारते हैं, क्योंकि इसकी की चोंच नाखून काटने वाली 'नहरनी' से मिलती है|

हुदहुद को कही-कही 'पदुबया' के नाम से पुकारा जाता है, क्योंकि यह दूब में से भी कीड़ा ढूँढ लेती है|

(ख) हुदहुद की चोंच पतली, लंबी और तीखी होती है| इस बात को ध्यान में रखकर बताओ-

*** वे कैसा भोजन खाते होंगे?**

*** चोंच से वे क्या–क्या ले सकते हैं?**

उत्तर- *वे छोटे – छोटे कीड़े मकोड़े खाते होंगे|
* चोंच से जमीन खोदकर भी कीड़े निकाल लेते होंगे| वे घास में छिपे हुए कीड़े-मकोड़े भी ढूँढ लेते होंगे| लड़ाई के समय चोंच को हथियार के रूप में इस्तेमाल करते होंगे| अपने रहने के लिए कोसा बनाने में इसकी सहायता लेते होंगे|

मैंने जाना

पाठ में ऐसे शब्दों की सूची बनाओ जो पक्षियों के लिए इस्तेमाल होते हैं|
पाठ पढ़ने के बाद अपनी कॉपी में एक तालिका तैयार करों और उस तालिका में मालूम की गई जानकारी लिखो|
उत्तर-

जानती थी	पढ़कर मालूम हुआ	जानना चाहती हूँ
गिद्ध पंख (पर) चोंच दुम अंडे घोंसला	हुदहुद कलगी चोटी	किन-किन पक्षियोंकी क किस पक्षी की दुम कैसी अंडे कैसे-कैसे होते

<u>पहचानें कैसे</u>

(क) अगर तुम्हें हुदहुद को पहचानने में किसी की मदद करनी है तो तुम उसे कौन-सी बातें बताओगे? चार-पाँच वाक्यों से लिखो|

उत्तर- हुदहुद का सारा शरीर रंग-बिरंगा और चटकीला होता है| उसके पंख काले होते हैं उन पर मोटी सफेद धारियाँ होती है| उसके सिर पर बादामी रंग की कलगी होती है जिसके सिरे काले और सफेद होते हैं| इसकी दुम का हिस्सा सफेद और बाहरी हिस्सा काले रंग का होता है| इसकी चोंच पतली, लम्बी और तीखी होती है|

(ख) अब कौवे या कबूतर को पहचानने के लिए चार-पाँच बिंदु लिखो| यह जनाने के लिए तुम्हें इन पक्षियों को कुछ समय तक बहुत गौर से देखना होगा|

उत्तर- कौवे की पहचान

1. कौवा काले रंग का होता है|
2. कौवा कोयल से बड़ा होता है|
3. इसके बोलने पर 'कॉव-कॉव की आवाज आती है|'
4. इसकी चोंच काली और लंबी होती है|

<u>तरह-तरह की नाम</u>

तुम्हारे आसपास कौन – कौन से पक्षी पाए जाते हैं, उनके नामों की सूची बनाओ| तुम्हारे और तुम्हारे दोस्तों के घर की भाषा में क्या कहते हैं? जिन पक्षियो के नाम तुम्हें नहीं पता है, उनके नाम तुम्हें पता करने होंगे|

उत्तर- पक्षियों के नाम-

1. कौवा, 2. कबूतर, 3. गौरैया, 4. कोयल, 5. तोता, 6. बगुला|

<u>बातचीत</u>

तुमने हुदहुद से जुड़ी एक कहानी पढ़ी है| उस कहानी को बातचीत के रूप में लिखो| नीचे हमने इस बातचीत को तुम्हारे लिए शुरू कर दिया है-

शाह सुलेमान – अरे भाई गिद्ध! जरा मेरी बात तो सुनो|

गिद्ध (उड़ते-उड़ते) – कहिए, मगर जरा जल्दी से|

शाह सुलेमान – ……………

गिद्ध – ………………..

तुम अपने दोस्तों के साथ बातचीत को कक्षा में नाटक के रूप में प्रस्तुत कर सकते हो|

उत्तर- शाह सुलेमान – मुझे गर्मी लग रही है| तुम अपने पंखों से मेरे सिर पर छाया कर दो|

गिद्ध – हम तो इतने छोटे हैं| हम छाया कैसे कर सकते हैं?

(गिद्ध उड़ते हुए आगे चले जाते हैं| हुदहुद का मुखिया उड़ता हुआ आता है|)

शाह सुलेमान – अरे भाई हुदहुद! जरा इधर तो आओ|

मुखिया हुदहुद – (उड़ता हुआ पास आकर) कहिए, महाराज! क्या बात है?

शाह सुलेमान – इस समय मैं तपती धूप से परेशान हो गया हूँ| क्या तुम मेरी कुछ मदद करोगे|

मुखिया हुदहुद – कुछ उपाय करता हूँ| आप थोड़ी देर इंतजार कीजिए|

(थोड़ी देर में बहुत सारे हुदहुद आकाश में उड़ते हुए आते हैं और बादशाह सुलेमान के सिर पर छाया कर देते हैं)

शाह सुलेमान – (खुश होकर) वाह! तुम सब ने तो कमाल कर दिया|

मुखिया हुदहुद – यह तो हमारा फर्ज था|

शाह सुलेमान – तुम सब कितने अच्छे हो| मैंने तो गिद्धों से भी मदद माँगी थी| उनके पंख भी बड़े – बड़े थे| वे चाहते तो मेरी मदद कर सकते थे पर उन्होंने मेरी मदद नहीं की|

दूसरा हुदहुद – उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था| किसी की मदद करने में तो हमें खुशी होनी चाहिए|

शाह सुलेमान – (मुस्कुराते हुए) तुम गिद्धों से छोटे तो हो पर उनसे अधिक चतुर हो| तुम सबने मिलकर मेरी सहायता की है| मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूँ| बताओ, तुम्हारी क्या इच्छा है?

मुखिया – महाराज मैं अपनी सभी साथियों से सलाह करने के बाद ही अपनी इच्छा बताऊँगा|

शाह सुलेमान – ठीक है|

(मुखिया हुदहुद अपने साथ कुछ बातें करता है|)

शाह सुलेमान – सलाह हो गई? वरदान माँग लो|

मुखिया – महाराज! आज से हमारे सिर पर कलंक सोने की कलगी निकल आए|

शाह सुलेमान – (हँसकर) मुखिया इसका फल क्या होगा यह तुमने सोच लिया है?

मुखिया – हाँ, महाराज! खूब विचार करके यह वर माँगा है|

शाह सुलेमान – ठीक है, ऐसा सही हो|

(सभी हुदहुद के सिर परसोने की कलगी निकल आती है| सभी खुश हो कर चले जाते हैं|)

(कुछ दिन बाद..... महाराज के दरबार में हुदहुदों का मुखिया पहुँचता है|)

मुखिया – (घबराया हुआ) महाराज, हमारी रक्षा कीजिए|

शाह सुलेमान – क्यों क्या हुआ?

मुखिया – महाराज वरदान वापस ले लीजिए| जब से हमारे सिर पर सोने की कलगी निकल आई तब से लोग हमें ढूँढ-ढूँढ कर मानने लगे हैं|

शाह सुलेमान – मैंने तो शुरू में ही तुम्हे चेतावनी दी थी| खैर, जाओ आज से तुम्हारे सिर का ताज सोने का नहीं बल्कि सुंदर परों का हुआ करेगा|

मुखिया – (खुश होकर) महाराज! आपका बहुत – बहुत धन्यवाद| (पर्दा गिरता है|)

रंगारंग

(क) हुदहुद का सारा शरीर रंग-बिरंगा और चटकीला होता है|

हुदहुद का रंग चटकीला बताया जाता है| रंग कैसे हैं- यह बताने के लिए कुछ शब्दों का इस्तेमाल किया जा सकता है| जैसे, फीका रंग, चटकीले रंग आदि| बताओ कि ऐसे किन – किन चीजों के रंग होते हैं|

उत्तर- Class 4 Hindi Hudahud

रंग का नाम	इस रंग की चीजों के नाम
गहरा फीका भड़कीला सुनहरा	पत्तियाँ, कौवा, भालू आसमान, मिट्टी, खरगोश, हाथी पलाश का फूल, तोता, मोर| कंगन, अगुठी, हार|

(ख) यूनी ने आसमानी रंग की कमीज़ पहनी है

'आसमानी' रंग का नाम कैसे बना होगा? सोचो|

(संकेत- फल, सब्जी, पत्तों आदि के नाम पर)

उत्तर- बैगनी चम्पई बादामी
सुनहरा, मेहँदी, सिंदूरी
नारंगी जमुनी तांबई
कत्थई , नीला गेरुआ

<u>शब्द एक-अर्थ अनेक</u>

शाह की भेंट हुदहुद के मुखिया से हुई|
मुझे मेरी बहन ने एक सुन्दर भेंट दी|
ऊपर वाले वाक्य में भेंट का मतलब मुकालात से है, नीचे वाले वाक्य में उपहार से|
तुम भी कोई ऐसे चार शब्द सोचो जिनके दो मतलब नेकमते हों| उनका वाक्यों में प्रयोग करो|

उत्तर-

(क) **पर** – हुदहुद के **पर** सुन्दर हैं|
आजा का काम कल **पर** मत छोड़ो|
(ख) **कलम** – हम सब **कलम** से लिखते है|
– राजा ने चोर का सर **कलम** कर दिया|
(ग) **अर्थ** – इस कविता का **अर्थ** बताओ|
हर चीज़े खरीदने के लिए **अर्थ** की आवश्यकता होती है|
(घ) **पत्र** – आम का **पत्र** पूजा के काम आता है|
आज मैंने चाचा जी को **पत्र** लिखा|

<u>नाम</u>

हुदहुद एक बहुत ही सुन्दर पक्षी है|
हुदहुद और पक्षी, दोनों को ही हम संज्ञा कहते हैं|
अब नेचे दी गई तालिका को आगे बढ़ाओ|
हुदहुद पक्षी भारत देश अनार फल

उत्तर- हाथी जानवर

मुंबई शहर

गंगा नदी

हिमालय पर्वत

इंद्र देवता

रामायण पुस्तक